

अध्यक्ष — श्री 108 स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज
श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय

सम्बद्ध एवं अनुदानित—महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन, (म.प्र.) 456 006
 (मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार)

संचालित—श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट, पोस्ट झूसी, प्रयागराज-211 019 (उ.प्र.)

E-mail - ssngvv@gmail.com

वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2019-2020

श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय की स्थापना श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर दिनांक-07.07.1999 को की गयी थी। महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन से दिनांक-01.04.2001 से विद्यालय को “वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने की योजना” के अन्तर्गत इकाई के रूप में मान्यता प्रदान की गयी। महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के द्वारा वर्ष 2004-2005 से विद्यालय को पाठशाला योजना में सम्मिलित कर गरिमा प्रदान की गयी। श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के उद्देश्य निम्नलिखित हैं —



- (क) वेदादि प्राचीन संस्कृत वाङ्मय का अध्यापन।
- (ख) वेद पाठ की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाने के लिये प्रयासरत रहना।
- (ग) बाल्यावस्था से वेदपाठ में पारंगत करना।
- (घ) वेद सभा, सम्मेलन, पारायण, विद्वानों का सम्मान, व्याख्यानमाला तथा प्रतियोगिता का आयोजन करना।
- (ङ) पुस्तकालय, प्रकाशन, वैदिक सनातन धर्मदर्शन का प्रचार प्रसार।
- (च) वेद-छात्र कल्याणकारी योजनाओं को चलाना, छात्रावास, छात्रवृत्ति उपलब्ध कराना।
- (छ) योग्य छात्रों को धर्मशास्त्र तथा कर्मकाण्ड में प्रशिक्षित करना।
- (ज) संस्कृत तथा अन्य भाषाओं का ज्ञान, आधुनिक विज्ञान, तथा गणित के साथ सामाजिक विज्ञान एवं आंग्ल भाषा, वैदिक विज्ञान का ज्ञान कराना।

- (झ) आधुनिक परिवेश को देखते हुये छात्रों को कम्प्यूटर तथा अन्य ट्रेनिंग दिलाने की सुचारु रूप से व्यवस्था की गयी।
- (ञ) सम्मानजनक जीविकोपार्जन तथा नियुक्तियों में परामर्श की सुविधा प्रदान की जाती है।
- (ट) वैदिक सनातन जीवन दृष्टि के अनुकूल समाज तथा बाह्यान्तरिक प्रकृति का विकास विश्वकल्याण के कार्य हेतु भिन्न-भिन्न प्रकार के क्रियाकलाप क्रियान्वित किये जाते हैं।

उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के सहयोग से उत्तरोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर है। प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान संस्था के माननीय अध्यक्ष श्री स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज के निर्देशन में विद्यालय के सभी छात्रों के सर्वाङ्गीण विकास तथा बौद्धिक क्षमता के संवर्धन के लिये अनेक प्रयास किये गये—

1. 21 जून, 2019 दिन शुक्रवार को विद्यालय परिसर में विश्व योग दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के प्राचार्य श्री ब्रजमोहन पाण्डेय जी द्वारा योग के महत्वों के बारे में। योगासनों को करते समय मन में दैनिक कार्यक्रम, व्यवसाय अथवा अन्य पदार्थों का चिन्तन नहीं करना चाहिए। ऐसे सभी विचारों से मन को वापस कर लेना चाहिए। इसको पंचम अंग 'प्रत्याहार' कहते हैं। इस आयोजन में विद्यालय के सभी छात्र एवं अध्यापकों ने भाग लिया।



2. गुरुपूर्णिमा आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरुपूर्णिमा कहते हैं। इस दिन गुरु पूजा का विधान है। गुरु पूर्णिमा वर्षा ऋतु के आरम्भ में आती है। इस दिन से चार महीने तक परिव्राजक साधु-सन्त एक ही स्थान पर रहकर ज्ञान की गंगा बहाते हैं। ये चार महीने मौसम की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ होते हैं। वार्षिक स्थापना दिवस पर परम्परागत रूप से



प्रतिवर्ष की भाँति प्राचीन वैदिक परम्परा एवं गुरु शिष्य परम्परा को अक्षुण्ण गति प्रदान करने के लिये इस गुरुपूर्णिमा पर गुरु का पूजन किया गया। इस वर्ष श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय की साधारण सभा एवं प्रबन्धकारिणी समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी। जिसमें संस्था द्वारा किये गये एवं किये जा रहे कार्यों के प्रति सभी माननीय सदस्यों द्वारा संतोष व्यक्त किया गया एवं प्रशंसा की गई। वेद पाठशाला में पठन-पाठन के स्वरूप एवं संचालन की भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी। विद्यालय में संचालित शुक्लयजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद की शाखाओं का सस्वर वेद पाठ अध्यक्ष महोदय एवं उपस्थित अतिथियों के समक्ष किया गया, सभी ने छात्रों के वेदाध्ययन की प्रगति की प्रसन्नचित्त ढंग से सराहना की।

3. 11 जुलाई, 2019 दिन गुरुवार को विद्यालय के द्वारा नवीन सत्र में प्रवेश किये गये छात्रों का उपनयन संस्कार विद्यालय आचार्यों द्वारा वैदिक विधि से सम्पन्न कराया गया। उपनयन संस्कार का ही अपना नाम उपवीत, यज्ञोपवीत, व्रतबन्ध, ब्रह्मसूत्रधारण, मौंजीवन्धन, जनेऊ आदि है। उप समीपे



(गुरोः) वेदाध्ययनार्थं येन कर्मणा नीयते तद् उपनयनम्, वेदाध्ययन के लिए गुरु (आचार्य) के समीप जिस क्रिया के द्वारा बालक को पहुंचाया जाता है उसे उपनयन संस्कार कहते हैं।

4. आधुनिक दौर में सभी के लिये कम्प्यूटर का ज्ञान एवं आधुनिक विषयों (संस्कृत, सामाजिक, अंग्रेजी तथा गणित) का ज्ञान होना, विकास, एवं रोजगारपरकता को बढ़ाता है।

प्रतिस्पर्धात्मक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए वेद छात्रों के लिये भी कम्प्यूटर साक्षरता तथा आधुनिक विषयों के महत्व एवं अनिवार्यता को नकारा नहीं जा सकता। आधुनिक दौर में वेद वेदांगों सहित आधुनिक विषयों एवं सम्यक् तकनीक का ज्ञान होना अत्यन्त आवश्यक है। कम्प्यूटर ज्ञान



तथा आधुनिक विषयों से वेद छात्रों का जहां सशक्तिकरण होगा वहीं उनकी योग्यता तथा

आत्मविश्वास दोनों में वृद्धि होगी। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अप्रैल 2006 से प्रारम्भ हुए वेद विद्यार्थियों के कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम में सराहनीय प्रगति हुई है। वेद पाठशाला में निजी स्रोतों की सहायता से आधुनिक कम्प्यूटर सेट के साथ प्रिंटिंग उपकरण भी स्थापित किये गये हैं ताकि वैदिक बटुकों को कम्प्यूटर शिक्षा के अन्तर्गत छात्रों को कम्प्यूटर परिचय, कम्प्यूटर टंकण (हिन्दी एवं अंग्रेजी), कम्प्यूटर की उत्पत्ति एवं उसका विकास, Internet & Multimedia, कम्प्यूटर हार्डवेयर, साफ्टवेयर एवं उसके प्रकार एवं अनुप्रयोग आदि का ज्ञान प्राप्त हो सके तथा जरूरत पड़ने पर इनका कार्यालय आधुनिकीकरण में भी उपयोग किया जा सके। आलोच्य वर्ष की भांति वर्तमान वर्ष में वेद पाठशाला में कम्प्यूटर शिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। इसके अलावा महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन से अपेक्षा है कि वह अपने स्तर पर सभी पाठशालाओं के लिये कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु आर्थिक सहयोग उपलब्ध करायेगा।

5. 15 अगस्त 2019 दिन गुरुवार को प्रातः 8 बजे श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय, श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट, झूंसी, इलाहाबाद के प्रांगण में स्वतन्त्रता दिवस के परिप्रेक्ष्य में हरिकिशन सिंह (भूतपूर्व इंजीनियर पी.डब्ल्यू.डी. प्रयागराज) के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। जिसमें आश्रम के प्रबंधक श्री मोहन ब्रह्मचारी जी, प्रधानाचार्य श्री ब्रजमोहन पाण्डेय जी, समस्त अध्यापकगण, छात्रगण, भक्तगण एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। ध्वजारोहण के उपरान्त छात्रों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात् मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन से सभी को संबोधित किया।



6. 21 अगस्त, 2019 दिन—बुधवार भाद्रकृष्णषष्ठी के अवसर पर प्रातःस्मरणीय परम पूज्य ब्रह्मलीन श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि जी की पुण्य—स्मृति के अवसर पर देश के विभिन्न भागों से उपस्थित भक्तों के समक्ष वेदपाठी छात्रों



द्वारा वेद ऋचाओं के सस्वर वेदपाठ, संगीतमय स्तोत्रपाठ तथा अन्य कार्यक्रमों का प्रस्तुतिकरण किया गया। पूज्यपाद प्रातःस्मरणीय श्री स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज ने वेद छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की और छात्रों को जीवन में निरंतर प्रगति करने का आशीर्वाद दिया।

6. 24 अगस्त, 2019 दिन-शनिवार को विद्यालय परिसर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। श्रीकृष्ण ने अपना अवतार भाद्रपद की कृष्णपक्ष की अष्टमी तिथि को मध्यरात्रि को अत्याचारी कंस का विनाश करने के लिये मथुरा में जन्म लिये। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के शुभवसर पर विद्यालय में वैदिक बटुकों द्वारा बाल गोपाल के जन्म की भव्य झांकी सजायी गयी और “कृष्णाष्टकम्, “गोविन्दाष्टकम् “गोपी मंगल गीत” एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा भगवत्



स्तुति का पाठ किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार द्वारा विधिपूर्वक भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। भजन-कीर्तन इत्यादि के साथ भगवान के अवतरण का अनेक अतिथियों एवं भक्तगणों द्वारा स्वागत किया गया।

8. 23 सितम्बर, 2019 दिन सोमवार को स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्राचार्य श्री ब्रजमोहन पाण्डेय के मार्गदर्शन में समस्त अध्यापकों एवं छात्रों के द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी लोगों को संकल्पित किया गया। इस कार्यक्रम को निरंतरता प्रदान करने के लिये विशेष सफाई कार्य का आयोजन किया गया तथा विद्यालय प्रांगण एवं आस-पास के स्थान को सभी के सहयोग से स्वच्छ एवं निर्मल बनाया गया।



9. 02 अक्टूबर, 2019 दिन बुधवार को गांधी जयन्ती के अवसर पर श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय में भी गांधी

जयन्ती मनायी गयी। स्वच्छता अभियान को ध्यान में रखते हुये विद्यालय के प्राचार्य, अध्यापकों एवं छात्रों के द्वारा स्वच्छता के मूलमन्त्रों का अवलम्बन करते हुये अपने परिश्रम के द्वारा स्वच्छता अभियान कार्यक्रम को सफल बनाया गया। इस मौके पर स्थानीय लोगों को भी स्वच्छता के लिये प्रेरित किया गया तथा सफाई अभियान में सभी ने हिस्सा लिया और गांधी जी के विचारों एवं आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

10. 26 जनवरी, 2020 गणतन्त्र दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि श्री स्वामी श्यामानन्द गिरि जी महाराज के द्वारा वेद विद्यालय के प्रांगण में ध्वजारोहण किया गया तथा छात्रों को राष्ट्र के प्रति एवं अपने संविधान के प्रति आस्था रखने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान भारतीय संविधान के साथ-साथ



वेदाध्ययन के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला गया। छात्रों द्वारा प्रस्तुत किये गये सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए श्री प्राचार्य जी ने सभी को अपने आशीर्वाचनों से अभिसिंचित किया एवं छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए पुरस्कार वितरण किया। प्रसाद स्वरूप फल, मिष्ठान के वितरण के बाद समारोह का समापन किया गया।

11. 28 जनवरी 2020 दिन मंगलवार को श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के प्रांगण में उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानम्, लखनऊ के द्वारा योग प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन हुआ। जिसके अध्यक्ष प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मा.वि.) गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज,

सारस्वत अतिथि— स्वामी हरिचैतन्य ब्रह्मचारी, मुख्य अतिथि—अंजना गोयल, माध्यमिक शिक्षा परिषद् की अपर शिक्षा निदेशक, प्रयागराज के उपस्थिति में इस कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ। उपस्थित गणमान्य नागरिक एवं छात्र/अध्यापकों एवं



प्रशिक्षकों को कार्यक्रम के अध्यक्ष महोदय ने योग के महत्त्व के विषय में अपना विचार व्यक्त किया— सामान्यतः मनुष्य के लिए बलार्द्धप्रमाण व्यायाम करने का निर्देश दिया गया है।

सुश्रुत के अनुसार व्यायाम करते हुए मनुष्य के हृदयस्थान की वायु जब मुख में आ जाये तो इसे 'बलार्द्ध' कहते हैं। 'भावप्रकाशन' के अनुसार, (व्यायाम करते हुए) जब मस्तक, नाक, कांख और शरीर के जोड़ों में पसीना हो जाय तो उस दशा को 'बलार्द्ध' कहते हैं। आयुर्वेदानुसार, शरीर के स्वास्थ्य के लिए 'व्यायाम' बहुत उपयोगी है। व्यायाम नित्य ही करना चाहिए।

मुख्य अतिथि—अंजना गोयल, माध्यमिक शिक्षा परिषद् की अपर शिक्षा निदेशक, प्रयागराज के द्वारा योग प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षकों को योग के बारे में बताया — योग अभ्यास करने के मुख्य लाभों में से एक यह है कि यह तनाव कम करने में मदद करता है। तनाव का होना इन दिनों एक आम बात है जिससे शरीर और मन पर विनाशकारी प्रभाव पड़ता है। तनाव के कारण लोगों को सोते समय दर्द, गर्दन का दर्द, पीठ दर्द, सिरदर्द, तेजी से दिल का धड़कना, हथेलियों में पसीने आना, असंतोष, क्रोध, अनिद्रा और ध्यान केंद्रित करने में असमर्थता जैसी गंभीर समस्याएं पैदा होती हैं। समय गुजरने के साथ इन प्रकार की समस्याओं का इलाज करने में योग वास्तव में प्रभावी है। यह एक व्यक्ति को ध्यान और साँस लेने के व्यायाम से तनाव कम करने में मदद करता है और एक व्यक्ति के मानसिक कल्याण में सुधार करता है।

विद्यालय के छात्र भी न केवल शारीरिक रूप से अपितु मानसिक रूप से सुदृढ़ हो अतः 'गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार' के द्वारा प्रशिक्षित प्रशिक्षक—अंशुमान मिश्र जी के द्वारा 'त्रैमासिक योग प्रशिक्षण शिविर' का उद्घाटन 28 जनवरी 2020 को किया गया। जिसमें विद्यालय के सभी छात्र एवं अध्यापकों ने भाग लिया। छात्रों की अवस्थानुसार उनके लिए आवश्यक आसनों को योग शिविर में बताया गया। वर्तमान में विद्यालय के आचार्यों द्वारा प्रतिदिन छात्रों को योगाभ्यास कराया जाता है।

12. 29 जनवरी, 2020 वसन्त पंचमी के अवसर पर छात्रों द्वारा मां सरस्वती देवी की प्रतिमा का पूजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त अध्यापक एवं छात्रों द्वारा पूजन—अर्चन सम्पन्न किया गया। जिससे छात्रों में अध्ययन के लिये शक्ति का संचार निरंतर बना रहे।

13. दिनांक 2, 3, 4 एवं 5 मार्च 2020 को महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के द्वारा श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय में प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पंचम, षष्ठ वर्ष में अध्ययनरत वेद छात्रों की वार्षिक परीक्षा (लिखित, मौखिक) का केन्द्र

स्थापित कर गुरु-शिष्य परम्परा/पाठशाला योजना के वेद छात्रों की वार्षिक परीक्षा हेतु निर्देश दिया गया।

इस दायित्व का विद्यालय ने सम्यक् रूप से निर्वहन किया। जिसमें म.सा.रा.वे.विद्या प्रतिष्ठान, द्वारा नियुक्त प्रेक्षक डॉ. सुरेश पाण्डेय जी के निर्देशन में प्रतिष्ठान द्वारा नियुक्त गुणी परीक्षकों की सहायता से सम्पन्न कराया गया। केन्द्र व्यवस्थापक श्री ब्रजमोहन पाण्डेय एवं सह-केन्द्र व्यवस्थापक श्री शिवानन्द द्विवेदी के सहयोग से परीक्षा कार्य सम्पन्न कराया गया।

परीक्षा में क्षेत्रीय स्तर पर विभिन्न वेद पाठशालाओं और ईकाइयों के वेद छात्रों की परीक्षा नियुक्त परीक्षकों द्वारा ली गई। परीक्षा में उपस्थित हुए सभी परीक्षकों, प्रेक्षक एवं केन्द्र पर उपस्थित समस्त अध्यापकों एवं वेद छात्रों की लिखित एवं मौखिक परीक्षा के दौरान दोनों पालियों में नाश्ते एवं भोजन की उत्तम व्यवस्था की गई।


